

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5377

G

Unique Paper Code : 12317516

Name of the Paper : Gender in Indian History up to 1500 CE

Name of the Course : B.A. (Hons) DSE

Semester : V

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **four** questions in all.
3. All questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Does usage of the term 'gender' against 'women' open up new forays of historical investigation?

क्या 'महिलाओं' के विरुद्ध 'जेंडर' का प्रयोग ऐतिहासिक जांच के नए द्वार खोलता है?

2. What are the historical structures where patriarchy became manifest? Evaluate from any one phase of your period of study.

वे कौन सी ऐतिहासिक संरचनाएँ हैं जहाँ पितृसत्ता प्रकट हुई? अपने अध्ययन काल के किसी एक चरण से मूल्यांकन करें।

3. Discuss the unfolding of gender relations within the frame of early Indian household.

प्रारंभिक भारत में परिवार के भीतर 'जेंडर' संबंधों की विवेचना कीजिये।

4. Could women of medieval India contest politics as a male sphere?

क्या प्रारंभिक या मध्यकालीन भारत की महिलाएँ पुरुषों के क्षेत्र में राजनीति का मुकाबला कर सकती थीं?

5. In what way do the issues of masculinity enrich our understanding of India in Ancient or Medieval periods?

किस प्रकार पुरुषत्व के मुद्दे प्राचीन या मध्यकालीन भारत के बारे में हमारी समझ को समृद्ध करते हैं?

6. How did religious domain provide an occasion for the inversion of societal gender relations. Explain in the context of Puranic/Virashsivism or Warkari traditions.

धर्म क्षेत्र ने किस प्रकार सामाजिक लैंगिक संबंधों को उलटने का अवसर प्रदान किया। पौराणिक/विरशिववाद या वारकरी परंपराओं के संदर्भ में व्याख्या करें।

7. Did the bhakti movement empower women's voices or did it merely reflect the larger patriarchal social world? Discuss through an analysis of bhakti in the context of Mirabai.

क्या भक्ति आंदोलन ने महिलाओं की आवाज को सशक्त बनाया या यह केवल बड़े पितृसत्तात्मक सामाजिक संसार को प्रतिबिंबित करता है? मीराबाई के संदर्भ में भक्ति का विश्लेषण करते हुए चर्चा करें।

8. Write short notes on any two of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(a) Therigatha-Theragatha

थेरीगाथा - थेरागाथा

(b) Property rights of women in Early India

प्रारंभिक भारत में महिलाओं के संपत्ति अधिकार

(c) Korravai-Durga

कोर्रावई दुर्गा

(d) Non-binary gender

गैर-बाइनरी जेंडर